SYLLABUS

RAJASTHANI

M.A (Previous) Examination, 2016-17 (for private only)
M.A (Final) Examination, 2016-17 (for private and regular both)
M.Phil. Examination, 2016-17

Helpstudentpoint.com

JAI NARAIN VYAS UNIVERSITY
JODHPUR

Helpstudentpoint.com

Contents

GENERAL INFORMATION 1
M.A. PREVIOUS 3
M.A. FINAL 10
M.PHIL. 20

विभागीय प्राध्यापकों की सूची

1. डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित विभागाध्यक्ष एवम सहायक आचार्य
2. डॉ. धनन्जया अमरावत सहायक आचार्य
3. डॉ. मीनाक्षी बोराणा सहायक आचार्य

Helpstudentpoint.com

FACULTY OF ATRS, EDUCATION & SOCIAL SCIENCES

MASTER OF ARTS

General Information for Students

The examination for the degree of master of Arts, Education and Social Sciences shall consist of two parts : (i) The Previous Examination and (ii) The Final Examination.

The examination will be through theory papers/practicals/viva. Pass marks for the previous and final examinations are 36% of the aggregate marks in all the theory papers and viva/practicals and not lesa than 25% marks in the individual theory paper/viva/practicals. A candidate is required to pass in the written and the practical/viva examinations separately.

Successful candidates will be placed in the following divisions on the basis of the total marks obtained in previous and final examination taken together.

First division 60% , Second division 48%, and Third divisions 36%

No student will be permitted to register himself simultaneously for more than one post-graduate course.

ATTENDANCE

1. for all regular candidates in the faculties of Arts, Education and Social Sciences, Science, Law, Commerce and Engineering, the minimum attendance requirement shall be that a candidate should have attended at least 75% of the lectures delivered and tutorials held taken together as well as 75% of practicals and sessionals from the date of his/her admission.
2. Condonation of shortage of attendance :

The shortage of attendance upto the limits specified below may be condoned on valid reasons:

i) Upto 6% in each subject plus 5 attendance in all the aggregate of subjects/papers may be condoned by the vice- Chancellor on the recommendation of the Dean/Director/ Principal for undergraduate students and on the recommendation of the Head of the Department for the post-graduate classes.

ii) The N.C.C. Cadets sent out to parades and camps and such students who are deputed by the university to take part in games, athletic or cultural activities amy, for purpose of attendance, be. Treated as present for the days of their absence in connection with the aforesaid activities and that period shall be added to their subject wise an attendance.

Note: 1. The attendance for supplementary students will be counted from the date of

Helpstudentpoint.com

their admission.

3. In the Faculty of Engineering the attendance requirement will aply to each semester.

However, in case of practicals where examination is not held at the end of the first semester but at the end of the second semester,attendance will be counted at the end of the second semester taking into account attendance put in both the semesters(i.e. first and second) taken together.

Medium

Candidates are not allowed to use any medium except Hindi or English for answering question papers.

For answering papers in the subjects of English/Hindi or English for answering question papers,

For answering papers in the subjects of English/Hindi the medium will be corresponding language only.

For answering question papers in the subject of Sanskrit the candidates are allowed to use Sanskrit, Hindi or English unless specified otherwise.

राजस्थानी

आवश्यक सूचनाः एम.ए. (पूर्वार्द्ध तथा उत्तरार्द्ध) राजस्थानी के सभी प्रश्न–पत्रों का उत्तर देने का माध्यम राजस्थानी भाषा ही होगा।

Helpstudentpoint.com

एम.ए.पूर्वार्द्ध परीक्षा 2016.17

इस परीक्षा के लिए चार प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 100 अंकों तथा तीन घण्टे की अवधि का होगा। चार प्रश्न–पत्र निम्नानुसार होंगे:

प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक राजस्थानी गद्य
द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक राजस्थानी पद्य
तृतीय प्रश्न पत्र : राजस्थानी भाषा एंव साहित्य का इतिहास
चतुर्थ प्रश्न पत्र : लोक साहित्य

Helpstudentpoint.com

प्रथम प्रश्न पत्र

आधुनिक राजस्थानी गद्य

अंक विभाजन पूर्णांक : 100

1. भाग अ –
   सभी इकाईयों में से अति लघुत्तरात्मक 10 प्रश्न 2 X10 = 20
2. भाग ब –
   प्रत्येक पाठ्यपुस्तक में से एक–एक सप्रसंग व्याख्या तथा किसी एक पाठ्यपुस्तक में से एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा–250)
   5 X 7 = 35
3. भाग स –
   पाठ्यपुस्तकों में से चार बड़ें प्रश्न होगें जिसमें से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर देने है। (शब्द सीमा–500) 3 X 15 = 45

इकाई विभाजन

इकाई 1 : सप्रसंग व्याख्या
(प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक व्याख्या करना अनिवार्य है।

इकाई 2 : मेवे रा रूंख – आलोचनात्मक प्रश्न
इकाई 3 : माटी री महक – आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4: राजस्थानी निबन्ध संग्रह – आलोचनात्मक प्रश्न
इकाई 5 : तास रो घर – आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्य पुस्तकें

अन्नाराम सुदामा : मेवे रा रूंख (उपन्यास), धरती प्रकाशन,बीकानेर
करणीदान बारहठ : माटी री महक,बारहठ प्रकाशन,फेफाना,हनुमानगढ़
चन्द्रसिंहः राजस्थानी निबन्ध संग्रह निबन्ध, राजस्थानी साहित्य अकादमी, उदयपुर
यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' : तास रो घर, प्रकाशक राजस्थानी भाषा प्रचार सभा, जयपुर

संदर्भ ग्रन्थ

डॉ.किरण नाहटा : आधुनिक राजस्थानी साहित्य,चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
अगरचन्द नाहटा : राजस्थानी काव्य की गौरवपूर्ण परम्परा, राधकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली
राजस्थानी साहित्य की समीक्षा–'जागती जोत' पत्रिका, राजस्थानी भाषा साहित्य एंव संस्कृति अकादमी,बीकानेर

Helpstudentpoint.com

द्वितीय प्रश्न पत्र

आधुनिक राजस्थानी पद्य

अंक विभाजन पूर्णांक : 100

1. भाग अ –
   सभी इकाईयों में से अति लघुत्तरात्मक 10 प्रश्न 2 X10 = 20
2. भाग ब –
   प्रत्येक पाठ्यपुस्तक में से एक–एक सप्रसंग व्याख्या तथा किसी एक पाठ्यपुस्तक में से एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा–250)
   5 X 7 = 35
3. भाग स –
   पाठ्यपुस्तकों में से चार बड़ें प्रश्न होगें जिसमें से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर देने है। (शब्द सीमा–500) 3 X 15 = 45

इकाई विभाजन

इकाई 1 : सप्रसंग व्याख्या
(प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक व्याख्या करना अनिवार्य है।
इकाई 2: वीर सतसई – आलोचनात्मक प्रश्न
इकाई 3 : लू – आलोचनात्मक प्रश्न
इकाई 4 : राधा – आलोचनात्मक प्रश्न
इकाई 5 : लीलटांस– आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्य पुस्तकें

पतराम गौड़, ईश्वरदान आशिया व डॉ. कन्हैयालाल सहज (सम्पादक) : वीर सतसई (सूर्यमल्ल मिश्रण), बंगाल हिन्दी मण्डल, कलकत्ता
चन्द्रसिंह : लू,चाँद जलेरी प्रकाशन,जयपुर
सत्यप्रकाश जोशीः राधा,राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
कन्हैयालाल सेठिया– लीलटांस,प्रकाशक– स्व. मुरलीधर सराफ स्मृति ग्रंथ माला, कलकत्ता

संदर्भ ग्रन्थ

महाकवि सूर्यमल्ल मिश्रण स्मृति अंक, सूर्यमल्ल स्मारक समिति, बूंदी परम्परा (त्रै–मासिक पत्रिका), सूर्यमल्ल मिश्रण विशेषांक तथा 'हेमाणी' अंक, राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
डॉ.शम्भुसिंह मनोहर : वीर सतसई (सम्पादक), स्टुडेन्ट्स बुक कम्पनी, चौडा रास्ता,जयपुर

Helpstudentpoint.com

तृतीय प्रश्न –पत्र

राजस्थानी भाषा एंव साहित्य का इतिहास

अंक विभाजन पूर्णांक : 100

1. भाग अ –
   सभी इकाईयों में से अति लघुत्तरात्मक 10 प्रश्न 2 X10 = 20
2. भाग ब –
   सभी इकाईयों में से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा–250)
   5 X 7 = 35
3. भाग स –
   पाठ्यपुस्तकों में से चार बड़ें प्रश्न होगें जिसमें से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर देने है। (शब्द सीमा–500) 3 X 15 = 45

इकाई विभाजन

इकाई 1: भाषा एवं लिपि : सामान्य परिचय
इकाई 2: राजस्थानी भाषा
इकाई 3 : राजस्थानी साहित्य का आदिकाल – आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4: राजस्थानी साहित्य का मध्यकाल – आलोचनात्मक प्रश्न
इकाई 5: राजस्थानी साहित्य का आधुनिककाल– आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम विषय सामग्री

भाषा : भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा के अंग, भाषा विकास के कारण, मानक भाषा, बोली, उपबोली
लिपि : लिपि और भाषा का सम्बन्ध, नागरी अंक और लिपि का विकास,मुडिया लिपि: सामान्य परिचय
राजस्थानी भाषा : वैदिक संस्कृत, प्राकृत,अपभ्रंश– सामान्य परिचय राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति एंव विकास,क्षेत्र– विस्तर, बोलियां, उपबोलियां, डिंगल–पिंगल की सामान्य विशेषताएं, राजस्थानी की व्याकरणिक विशेषताएं
राजस्थानी साहित्य का इतिहास : राजस्थानी साहित्य का काल विभाजन, कालगत–प्रवृत्तियाँ,काव्य–धाराएँ,विधाएँ,प्रमुख रचनाएँ तथा रचनाकार

Hemstudentpoint.com

संदर्भ ग्रन्थ

प्रो. रामाश्रय मिश्र एंव डॉ. नरेश मिश्रः भाषा और भाषा विज्ञान, उन्मेश प्रकाशन,12, सुभाष कॉलोनी ,करनाल, हरियाणा
भोलानाथ तिवारीः भाषा विज्ञान, किताब महल,दिल्ली
डॉ.सुनिति कुमार चाटुर्ज्या : राजस्थानी भाषा,साहित्य संस्थान, उदयपुर
एल.पी.टैक्सीटोरी (अनु.)डॉ0 नामवरसिंह : पुरानी राजस्थानी
जार्ज ए,ग्रियसैन (अनु.) आत्माराम जाजोदियाः राजस्थान का भाषा सर्वेक्षण, राजस्थानी भाषा प्रचार, जयपुर
जगदीश प्रसाद कौशिक : भारतीय आर्य भाषाओं का इतिहास
डॉ.मोतीलाल मेनारियाः राजस्थानी भाषा और साहित्य
नरोतमदास स्वामी : राजस्थानी भाषा – एक परिचय
डॉ.मोतीलाल मेनारियाः राजस्थान का पिंगल साहित्य
सीताराम लालस(सम्पा.) : राजस्थानी शब्दकोस (प्रथम खण्ड),राजस्थानी शोध संस्थान,चौपासनी, जोधपुर
डॉ.उदयनारायण तिवारी : वीर साहित्य
डॉ. गोवर्द्धन शर्मा : डिंगल साहित्य
डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य का आदिकाल
रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास
डॉ.कन्हैयालाल शर्मा : हाडौती बोली और साहित्य
श्याम परमार : मालवी और उसका इतिहास
डॉ. महावीरप्रसाद शर्मा : मेवाती का उद्‌भव एवं विकास
डॉ. ओमप्रकाश भारद्वाज : मानक भाषा विज्ञान
डॉ. कैलाशचन्द्र अग्रवाल : शेखावटी बोली का विवरणात्मक अध्ययन
डॉ. रतनचन्द्र शर्मा : मानक हिन्दी और भाषा विज्ञान
डॉ.एल.बी.जोशी : बागड़ी बोली का स्वरूप और तुलनात्मक अध्ययन
गोरीशंकर हीराचन्द ओझा : प्राचीन भारतीय लिपिमाला
नरोतमदास स्वामी : राजस्थानी व्याकरण
रामकरण आसोपा : मारवाडी व्याकरण
सीताराम लालस : राजस्थानी व्याकरण
सांस्कृतिक राजस्थान : अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन, कलकत्ता
डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा : भाषा विज्ञान की भूमिका,राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली
परम्परा : त्रैमासिक पत्रिका के आदिकाल तथा मध्यकाल संबंधी विशेषांक

Helpstudentpoint.com

चतुर्थ प्रश्न – पत्र

लोक साहित्य

अंक विभाजन पूर्णांक : 100

1. भाग अ –
   सभी इकाईयों में से अति लघुत्तरात्मक 10 प्रश्न 2 X10 = 20
2. भाग ब –
   सभी इकाईयों में से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द सीमा–250)
   5 X 7 = 35
3. भाग स –
   पाठ्यपुस्तकों में से चार बड़ें प्रश्न होगें जिसमें से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर देने है। (शब्द सीमा–500) 3 X 15 = 45

इकाई विभाजन

इकाई 1 : लोक साहित्य : सामान्य सिद्धान्त, परिभाषा, लोक तत्व, लोक मानस, आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 2 : लोक साहित्य तथा अन्य समाज विज्ञान : पुरातत्व, इतिहास , दर्शन, भाषा–विज्ञान, मनोविज्ञान , नृविज्ञान तथा जाति विज्ञान : आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 3 : राजस्थानी लोक साहित्य : लोक गीत, लाक गाथाएँ : आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4 : राजस्थानी लोक साहित्य : लोक कथा , लोक नाट्य : आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 : राजस्थानी लोक साहित्य : लोक विश्वास, पहेलियां, कहावतें : आलोचनात्मक प्रश्न

Helpstudentpoint.com

संदर्भ ग्रन्थ

डॉ.सोहनदान चारण : राजस्थानी लोक साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन
डॉ.महेन्द्र भानावत : लोक रंग
डॉ. महेन्द्र भानावत : राजस्थानी लोक नाट्य परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ
डॉ. सत्येन्द्र : लोक साहित्य विज्ञान
डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय : लोक साहित्य की भूमिका
श्याम परमार : भारतीय लोक वांगमय
श्याम परमार : लोकधर्मी नाट्य परम्परा
वसुदेवशरण अग्रवाल : लोक धर्म
मन्मथनाथ गुप्त : लोकोत्सव
श्रीकृष्णदास : लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन
झवेरचन्द मेघानी : लोक साहित्य (व्याख्यान)
सूर्यकरण पारीक : राजस्थानी लोक गीत
नानूराम संस्कर्त्ता : राजस्थान का लोक–साहित्य
डॉ.कृष्णकुमार शर्मा : राजस्थानी लोक गाथा
डॉ. कन्हैयालाल सहल : राजस्थानी लोकभाषाओं के कुछ रूढ़ तत्व
लक्ष्मीलाल जोशी : मेवाड़ की कहावतें
डॉ. कन्हैयालाल सहल : राजस्थानी कहावतें – एक अध्ययन
डॉ. कन्हैयालाल शर्मा : तेजाजी
डॉ. महेन्द्र भनावत : तेजाजी
चन्द्रदान चारण : गोगाजी चौहान की राजस्थानी गाथा
डॉ. वेदप्रकाश जुनेजा : नाथ सम्प्रदाय और साहित्य
डॉ. मनोहर शर्मा : राजस्थानी साहित्य और संस्कृति
गौरीशंकर हीराचन्द ओझा : मध्यकालीन भारतीय संस्कृति
लक्ष्मीकुमारी चूंडावत(सम्पा.) : बगड़ावत देवनारायण गाथा
भागीरथ कानोडिया तथा गोविन्द अग्रवाल : राजस्थानी कहावत – कोश
डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी : नाथ सम्प्रदाय

HelpStudentPoint.com